



सरकारी गजट, उत्तरांचल

उत्तरांचल सरकार द्वारा प्रकाशित

असाधारण

विधायी परिषिष्ट

**भाग-4, खण्ड (ख)
(परिनियत आदेश)**

देहरादून, १५/१२/२००३ ई०
कार्तिक , 1925 शक सम्वत्

उत्तरांचल शासन

कृषि एवं कृषि विपणन अनुभाग

संख्या १५४। / कृषि / २००३

देहरादून, १५/१२/२००३

आधिसूचना

संशोधन

उत्तरांचल सरकार द्वारा प्रकाशित राजपत्र, असाधारण, विधायी परिषिष्ट भाग-4, खण्ड (ख) (परिनियत आदेश) देहरादून, मंगलवार, 13 फरवरी, 2001 ई० में प्रकाशित आधिसूचना संख्या 343/कृषि/2000-2001 देहरादून, 13 फरवरी, 2001 को महामहिम श्री राज्यपाल महोदय निम्न प्रकार संशोधित किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

स्थापित नियम	संशोधित नियम
<p>कोटनाशी अधिनियम, 1968 (अधिनियम संख्या 46 सन् 1968) की धारा 12 के अधीन शक्ति का प्रयोग करके राज्यपाल इस अधिसूचना के गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से उप कृषि निदेशक, (मुख्यालय) पौड़ी को कोटनाशी नियमावली, 1971 के पैरा 9 के अन्तर्गत उत्तरांचल प्रदेश में लाइसेन्स जारी करने हेतु “अनुज्ञापन प्राधिकारी” नियुक्त करते हैं।</p> <p>उक्त अधिनियम की धारा 15 के अधीन शक्ति का प्रयोग करके राज्यपाल अनुज्ञापन प्राधिकारी के धारा 13 के अन्तर्गत लिये गये निर्णय के विरुद्ध कृषि निदेशक, उत्तरांचल को “अपील प्राधिकारी” नियुक्त करते हैं।</p>	<p>कोटनाशी अधिनियम, 1968 (अधिनियम संख्या 46 सन् 1968) की धारा 12 के अधीन शक्ति का प्रयोग करके श्री राज्यपाल महोदय इस अधिसूचना के गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से संयुक्त कृषि निदेशक, (गुणवत्ता नियंत्रण) को कोटनाशी नियमावली, 1971 के प्रस्तार-9 के अन्तर्गत उत्तरांचल प्रदेश में लाइसेन्स जारी करने हेतु “अनुज्ञापन प्राधिकारी” नियुक्त करते हैं।</p> <p>उक्त अधिनियम की धारा 15 के अधीन शक्ति का प्रयोग करके श्री राज्यपाल अनुज्ञापन प्राधिकारी के धारा 13 के अन्तर्गत लिये गये निर्णय के विरुद्ध कृषि निदेशक, उत्तरांचल को “अपील प्राधिकारी” नियुक्त करते हैं।</p>